>

Title: Alleged derogatory remarks made by the Chief Executive Officer of National tourism agency of Britain about the nature and conduct of Indians.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद): महोदय, आपने देश के परिप्रेक्ष्य में एक महत्वपूर्ण विषय उठाने का अवसर दिया है। मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान इस बात की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं कि अखबारों में ऐसी खबरें आई हैं कि ब्रिटेन की राष्ट्रीय पर्यटन एजेंसी ने, ब्रिटेन की नेशनल टूरिज्म डेवलपमेंट कारपोरेशन ने अपने एक बयान में वर्ष 2012 में इंग्लैंड में होने वाले ओलंपिक खेलों के दौरान भारतीयों के स्पर्श से अपने देशवासियों को बचने की सलाह दी है। उन्होंने यह भी कहा है कि पहली नजर में अगर भारतीय अधीर या बातूनी लगें, तब भी ब्रिटेनवासी शालीन बने रहें, वे ऐसा व्यवहार कर सकते हैं क्योंकि वे भीड़भाड़ वाले शहरों और माहौल में रहते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि राष्ट्रमंडल खेलों के ठीक पहले किसी देश की राष्ट्रीय पर्यटन एजेंसी के प्रमुख का यह कहना 120 करोड़ भारतीयों के लिए अपमान की बात है। मैं भारत सरकार का संज्ञान इस बात की ओर ले जाना चाहूंगा और जानना चाहूंगा कि इस बात का प्रतिकार अभी तक भारत सरकार ने किया या नहीं? संज्ञान में इस बात को लिया या नहीं क्योंकि यह भारत के अपमान की बात है, किसी प्रदेश या किसी इलाके विशेष की बात नहीं है। मैं भारत सरकार से मांग करना चाहता हूं कि उचित मंच पर उचित माध्यम से अभी तक भारत सरकार ने इसका प्रतिकार किया या नहीं? यदि नहीं किया, तो मैं कहना चाहता हूं कि इस बात का विरोध होना चाहिए, भारत और भारतीयों का इस तरह से अपमान हम किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। भारत सरकार से हम अपेक्षा करते हैं कि वह इसका कड़े शब्दों में प्रतिकार करेगी और उचित माध्यम से, उचित स्थान पर विरोध दर्ज करेगी।